जलसा है बाबा श्याम का | By Nand Kishore Sharma |

जलसा है बाबा श्याम का मस्ताना दोस्तों
जलसा है बाबा श्याम का मस्ताना दोस्तों

अर्जी करी जो श्याम से मंज़ूर हो गई
मिलने की घड़ी श्याम से नज़दीक हो गई
देना है अपने प्यार का नज़राना दोस्तों
मिलकर बड़े हुज़ूर को बहलाना दोस्तों
जलसा है बाबा श्याम का मस्ताना दोस्तों
मिलकर बड़े हुज़ूर को बहलाना दोस्तों

नाना रकम के फूलों से दरबार सज गया
इत्र बड़े सलीके से छिड़काना दोस्तों
मिलकर बड़े हुज़ूर को बहलाना दोस्तों
जलसा है बाबा श्याम का मस्ताना दोस्तों
मिलकर बड़े हुज़ूर को बहलाना दोस्तों

केसर मलाई सेव, सपाटू, कचोड़ियाँ
यमुना का नीर, पाने की मीठी थी लोरियाँ
भोजन के बाद आरती गाना है दोस्तों
मिलकर बड़े हुज़ूर को बहलाना दोस्तों
जलसा है बाबा श्याम का मस्ताना दोस्तों
मिलकर बड़े हुज़ूर को बहलाना दोस्तों

पहले सुनेंगे श्याम की, फिर दिल की कहेंगे
नंदू शरण प्रभु की अब कभी न थकेंगे
सुनता है वो जहाँ का अफ़साना दोस्तों
मिलकर बड़े हुज़ूर को बहलाना दोस्तों
जलसा है बाबा श्याम का मस्ताना दोस्तों
मिलकर बड़े हुज़ूर को बहलाना दोस्तों

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%9c%e0%a4%b2%e0%a4%b8%e0%a4%be-%e0%a4%b9%e0%a5%88-%e0%a4%ac%e0%a4%be%e0%a4%ac%e0%a4%be-%e0%a4%b6%e0%a5%8d%e0%a4%af%e0%a4%be%e0%a4%ae-%e0%a4%95%e0%a4%be-by-nand-kishore-sharma/